IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 6.252
Volume 2, Issue 1, June 2022

दलित आंदोलन और डॉ. अंबेडकर की विरासत: एक ऐतिहासिक एवं वैचारिक अध्ययन

डॉ. रजत गंगवार
असिस्टेंट प्रोफेसर, इतिहास,
राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बीसलपुर, पीलीभीत, उ०प्र०
rajat gangwar4289@gmail.com

शोध सारांश

भारत को प्रायः विविधताओं का देश कहा जाता है। यहाँ भाषायी, धार्मिक, सांस्कृतिक, भौगोलिक और सामाजिक स्तर पर व्यापक विविधता विद्यमान है। यह विविधता भारतीय सभ्यता की समृद्धि और बहुलतावादी परंपरा का प्रतीक मानी जाती है, किंतु इस बहुरंभारतीय समाज की संरचना में जाति-व्यवस्था ने सदियों तक असमानता, बहिष्कार और सामाजिक विभाजन को बनाए रखा। इस व्यवस्था के कारण समाज का एक बड़ा वर्ग, जिसे आज 'दलित' के रूप में जाना जाता है, सामाजिक सम्मान, शिक्षा, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक अधिकारों से वंचित रहा। इस ऐतिहासिक अन्याय के विरुद्ध जो संघर्ष धीरे-धीरे विकसित हुआ, वही आगे चलकर दलित आंदोलन के रूप में स्थापित हुआ। इस आंदोलन को वैचारिक स्पष्टता, राजनीतिक दिशा और संवैधानिक आधार प्रदान करने में डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण रही।

Copyright to IJARSCT
www.ijarsct.co.in